घटिया सड़क निर्माण पर नगर निगम कटघरे में, दो वार्ड पार्षदों ने की शिकायत

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में नगर निगम द्वारा रतलाम कोठी और योजना 54 के ईएच सेक्टर में घटिया सड़क निर्माण करने का खुलासा हुआ है. उक्त इलाकों में नगर निगम ने 85 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण किया था, लेकिन सड़कें उखड़ गई. इसकी शिकायत क्षेत्रीय पार्षदों ने जनकार्य प्रभारी को की. इसके बाद मौका मुआयना करने पर शिकायत सही पाई गई.

शहर में हमेशा की तरह सड़क निर्माण को लेकर सवाल उठते हैं. इस बार भी रहवासियों ने क्षेत्रीय पार्षदों को घटिया निर्माण करने को लेकर निगम को कटघरे में खड़ा कर दिया है. घटिया निर्माण की पहली शिकायत पार्षद पंखुड़ी

डोसी ने रतलाम कोठी क्षेत्र में 62 लाख की लागत से बनी सड़क की बताई. उक्त सड़क ठेकेदार सतीश हटकर ने बनाई थी. इसी तरह पार्षद पूजा पाटीदार ने योजना 54 ईएच सेक्टर में 15 लाख की लागत से बनी घटिया सड़क को लेकर शिकायत की. उक्त सड़क केपी कंस्ट्रक्शन ने बनाई थी. नगर निगम के खिलाफ सड़क निर्माण में गुणवत्ता मानकों और निर्माण एजेंसी एवं संबंधित इंजीनियर की जवाबदेही को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं. दोनों शिकायत का जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने मौका निरीक्षण किया, जिसमें सड़क के सरफेस उखड़ गए है. इस पर प्रभारी राजेंद्र राठौर ने निगम आयुक्त को सूचित कर कार्रवाई करने का कहा है. साथ ही निरीक्षण के दौरान सड़क की गुणवत्ता संदिग्ध प्रतीत होने पर निर्माण सामग्री का मोबाइल टेस्टिंग लैब में सैंपल लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा गया. जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने शिकायत सही पाए जाने को लेकर कहा है कि ठेकेदार, उपयंत्री और निर्माण एजेंसी पर कार्रवाई होगी. निगम आयुक्त को भुगतान पर रोक, ब्लैक लिस्टेड करने और पेनल्टी लगाने का पत्र भेजा जाएगा.

जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई-जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यदि लैब जांच में सड़क निर्माण में घटिया गुणवत्ता की पुष्टि होती है, तो संबंधित निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की जाएगी.

रहवासियों ने उठाए गुणवत्ता पर सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई सड़क का कुछ ही महीनों में क्षतिग्रस्त होना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है. उनका आरोप है कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया, जिसकी वजह से सड़क इतनी जल्दी खराब हो गई.

कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के लिए खंडवा रोड पर भारी वाहनों की एंट्री बंद

नवभारत न्यूज़

इंदौर. श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्राओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने खंडवा रोड पर भारी मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने का फैसला लिया है. कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिवम वर्मा ने यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है.

आदेश के अनुसार इंदौर से खंडवा और खंडवा से इंदौर की ओर जाने वाले ट्रक एवं अन्य भारी मालवाहक वाहन 30 जुलाई से 28 अगस्त तक सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेंगे। यह व्यवस्था केवल श्रावण मास के दौरान लागू रहेगी. प्रशासन ने भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग भी तय किया है. प्रतिबंधित अवधि में ट्रक और भार वाहक वाहन तेजाजी नगर इंदौर से राऊ गोल चौराहा, एबी रोड होते हुए मानपुर, बलकवाड़ा और देशगांव मार्ग से आवागमन कर सकेंगे. हालांकि, यह प्रतिबंध केवल भारी मालवाहक वाहनों पर लागू रहेगा. कार, जीप और दोपहिया वाहनों की आवाजाही पहले की तरह जारी रहेगी. इसके अलावा यात्री बसों, दूध परिवहन वाहनों, एलपीजी गैस सप्लाई वाहनों, पानी टैंकर, एम्बुलेंस और अग्निशमन जैसे आवश्यक सेवा वाले वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है. प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने और श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है. आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में

सिग्नेचर ने सतत मैंग्रोव पुनर्जनन के तीन वर्ष पूरे किए

इंदौर. सिग्नेचर पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ओडिशा के अस्तरंगा में सतत मैंग्रोव पुनर्जनन के तीन वर्ष पूरे कर रहा है. यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हो रही है, जब विश्व 26 जुलाई को मैंग्रोव दिवस मनाता है. सतत मैंग्रोव पुनर्जनन एक दीर्घकालिक एवं समुदाय के नेतृत्व वाली पहल है, जिसने स्थानीय समुदायों के लिए सार्थक आजीविका के अवसर उत्पन्न करते हुए, तटीय पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करने में मदद की है. पिछले तीन वर्षों में, इस परियोजना ने 62 एकड़ से अधिक क्षरित तटीय भूमि को पुनर्स्थापित किया है और पाँच तटीय गाँवों में 30,000 से अधिक मैंग्रोव पौधे लगाए हैं. आनंदिता दत्ता, वाइस प्रेसिडेंट एंड पोर्टफोलियो हेड- मार्केटिंग, डियाजियो इंडिया ने कहा उद्देश्य-आधारित ब्रांड सिर्फ जमीनी स्तर पर किए गए कार्य से नहीं, बल्कि इस बात से भी बनते हैं कि वे लोगों को यह समझने में कैसे मदद करते हैं कि वह कार्य क्यों मायने रखता है. सिग्नेचर पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ओडिशा में मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित करने के प्रति प्रतिबद्ध रहा है, साथ ही इस महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को लोगों के और करीब लाने के लगातार नए तरीके भी खोजता रहा है.

टीकेएम ने सीएचसी बिडकिन में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत किया

इंदौर. टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के पैठण ब्लॉक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिडकिन में स्वास्थ्य अवसंरचना पहल की सफल पूर्णता की घोषणा की. स्वास्थ्य और स्वच्छता पर केंद्रित अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत, टीकेएम ने इस केंद्र को आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए और स्थापित किए हैं, जिससे पैठण ब्लॉक के 70,000 से अधिक समुदाय के सदस्यों को लाभ मिलेगा. विक्रम गुलाटी, कंट्री हेड एवं एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट ङ्क कॉर्पोरेट अफेयर्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच समुदाय के कल्याण और सामाजिक प्रगति की नींव है. सीएचसी बिडकिन में हमारी पहल इस विश्वास को दर्शाती है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य अवसंरचना ग्रामीण समुदायों तक पहुँचना चाहिए. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करके, हम मातृ और शिशु स्वास्थ्य परिणामों में सुधार में योगदान देते हैं और सतत स्वास्थ्य अवसंरचना बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं जो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी प्रभाव पैदा करें.

सैमसंग ने पेश किए एआई से लैस स्मार्ट ग्लासेज

इंदौर. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने लंदन में आयोजित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के दौरान अपने नए इंटेलिजेंट आईवेयर (स्मार्ट ग्लासेज़) पेश किए. गूगल आई/ओ में पेश किए गए कॉन्सेप्ट को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने इन्हें वैश्विक आईवेयर ब्रांड जेंटल मॉन्स्टर और वार्बी पार्कर के सहयोग से विकसित किया है. ये स्मार्ट ग्लासेज़ दिखाते हैं कि गैलेक्सी इकोसिस्टम अब सिर्फ स्मार्टफोन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, कामकाज, यात्रा और अन्य हैंड्स-फ्री गतिविधियों का भी हिस्सा बनेगा. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस बिजनेस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर वॉन-जून चोई ने कहा एजेंटिक एआई मोबाइल अनुभवों को नई दिशा दे रहा है. अब अगला कदम इन अनुभवों को और सहज बनाना है, ताकि वे हर यूज़र की जरूरत और परिस्थिति के अनुरूप काम कर सकें. स्मार्ट ग्लासेज़ इंटरैक्शन का एक नया माध्यम हैं, जो एआई आधारित व्यक्तिगत सहायता को स्वाभाविक रूप से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाते हैं.

केप्री ग्लोबल ने जारी किए पहली तिमाही के परिणाम

इंदौर. जमा स्वीकार नहीं करने वाली तथा प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी केप्री ग्लोबल कैपिटल के निदेशक मंडल ने 30 जून 2026 को समाप्त हुई तिमाही के लिए कंपनी के वित्तीय परिणामों की घोषणा की. ये वित्तीय परिणाम अनऑडिटेड हैं और इन्हें सोमवार, 27 जुलाई 2026 को जारी किया गया. सीजीसीएल ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अब तक का अपना सबसे बढ़िया तिमाही प्रदर्शन दर्ज किया. कंपनी का समेकित एयूएम सालाना आधार पर 62% तथा तिमाही आधार पर 10% बढ़कर 40,112 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. ऋण की सभी श्रेणियों में व्यापक वृद्धि देखी गई. पहली तिमाही में 353 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 102% अधिक है और अब तक किसी भी एक तिमाही में सबसे ज्यादा है. कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश शर्मा ने कहा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में हमने मजबूत प्रदर्शन किया. हमारे प्रमुख ऋण कारोबारों में स्वस्थ वृद्धि दर्ज हुई, जिसे डायवर्सिफाइड और पूरी तरह सुरक्षित खुदरा ऋण पोर्टफोलियो का समर्थन मिला.

पैड चेंज अलर्ट के साथ पेश किया अपग्रेडेड स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल

इंदौर. पीरियड्स के दौरान लीकेज का डर हर पल महिलाओं को सताता रहता है, जिसके कारण उन्हें बार-बार अपने पैड चेक करने पड़ते हैं. महिलाओं की इस परेशानी को दूर करने के लिए भारत के अग्रणी मैंस्ट्रुअल हाईजीन ब्रांड, स्टेफ्री ने स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल पेश किया है. बेहतर स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल अपनी डबल लीक टेक्नोलॉजी के साथ 12 घंटे तक डबल प्रोटेक्शन प्रदान करता है. इसका आउटर बैरियर पैड चेंज अलर्ट के रूप में काम करता है, जो पैड्स की श्रेणी में एक नया इनोवेशन है. मार्केटिंग डायरेक्टर, सुप्रिया श्रीनिवास ने कहा, पीरियड्स के दौरान महिलाओं को न केवल शारीरिक परेशानी होती है, बल्कि बार-बार टॉयलेट जाने, पर्याप्त संख्या में पैड लेकर चलने और दूसरे विकल्प तैयार रखने जैसे मानसिक तनाव भी झेलने पड़ते हैं। स्टेफ्री में हम उनकी इस वास्तविक परेशानी को समझते हैं और पीरियड्स के अनुभव को आसान बनाने के लिए निरंतर मेहनत करते हैं. इसीलिए हमने स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल पेश किया है. यह महिलाओं की इस मुख्य चिंता को दूर करता है कि ''उन्हें पैड कब बदलना चाहिए?''.

हिमालया बेबीकेयर ने जेंटल बेबी शैम्पू पर नया डीवीसी लॉन्च किया

इंदौर. हिमालया बेबीकेयर ने हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू के लिए अपना नया कैंपेन लॉन्च किया है. एक भावनात्मक और सहज इनसाइट पर आधारित यह फ़िल्म एक माँ के उस वादे को खूबसूरती से दिखाती है जिसमें वह अपने शिशु के नहाने के समय को खुशनुमा और आंसू रहित बनाने का भरोसा देती है. इस अवसर पर चक्रवर्ती एन. वी., डायरेक्टर- बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस कंपनी, ने कहा हिमालया बेबीकेयर में हम समझते हैं कि नहलाने का समय माता-पिता और शिशु के बीच आपसी जुड़ाव का एक अहम पल होता है. हालांकि, कई अभिभावकों के लिए शिशु की असहजता और आंसुओं की आशंका इस खूबसूरत और भावनात्मक अनुभव को प्रभावित कर देती है। हमारे जेंटल बेबी शैम्पू और इसके 'नो टीयर्स' फॉर्मूलेशन के माध्यम से हमारा उद्देश्य नहाने के समय को एक खुशनुमा और सुकूनभरी दिनचर्या में बदलना है, जिसका माता-पिता भी आनंद ले सकें। साथ ही यह उत्पाद माताओं को अपने शिशु के लिए आंसू रहित और खुशहाल नहाने का वादा निभाने में मदद करता है.

आज जिले में चार स्थानों पर लगेंगे राजस्व शिविर

इंदौर. जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण को लेकर शिविर लगाए जा रहे है। इसी कढ़ी में आज पांच स्थानों पर राजस्व प्रकरण निवारण शिविर लगेंगे. आज जिले के पांच राजस्व निरीक्षक क्षेत्रों में शिविर लगाए जा रहे हैं. उक्त शिविरों में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती, नक्शा-खसरा संबंधी प्रकरणों सहित अन्य राजस्व मामलों का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा. तय कार्यक्रम के अनुसार आज जूनी इंदौर तहसील के वृत्त-1 लसूडिया मोरी, कनाडिया तहसील के वृत्त-2 बिसनखेड़ा, राऊ तहसील के वृत्त-1 रिजलाय तथा देपालपुर तहसील के वृत्त-3 रंगवासा में शिविर लगेंगे. कलेक्टर शिवम वर्मा ने उक्त क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में राजस्व संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण कराएं. साथ ही शासन द्वारा उपलब्ध जनहितकारी सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं.

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने कचरा प्रबंधन व्यवस्था का किया अवलोकन

सेग्रीगेशन, बायो- सीएनजी एवं तकनीकी कचरा प्रबंधन की सराहना

नव भारत न्यूज

इंदौर. मंगलवार को शहर में ऑस्ट्रेलिया का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल कचरा प्रबंधन व्यवस्था को देखने इंदौर आया. इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई दल ने कचरा सेग्रीगेशन, घर-घर कचरा संग्रहण, तकनीकी परिवहन, अपशिष्ट प्रसंस्करण तथा संसाधन पुनः प्राप्ति व्यवस्था का अवलोकन किया.

आज सुबह ऑस्ट्रेलिया के सांसद रॉय बटलर के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज इंदौर नगर निगम के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल का अवलोकन किया. प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ नीति सलाहकार जॉन क्लेमेंट्स तथा इनक्यू सीईओ एवं ऑस्ट्रेलिया मल्टी लिटरल फाउंडेशन फॉर इंपैक्ट एंड ट्रेड के कार्यकारी

निदेशक इरफान मलिक शामिल थे. प्रतिनिधिमंडल के दौरे का उद्देश्य इंदौर के सफल स्वच्छता मॉडल का अध्ययन कर ऑस्ट्रेलिया में नागरिक सहभागिता आधारित कचरा सेग्रीगेशन गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर अध्ययन करना था. इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था, नागरिकों के स्तर पर कचरे के पृथक्करण, डोर-टू-डोर वाहनों की कंपार्टमेंट प्रणाली एवं सफाई मित्रों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली. साथ ही दल ने राजशाही गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण कर कचरे के कचरा संग्रहण, परिवहन, वाहन प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली का अवलोकन किया. ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित एकीकृत अपशिष्ट प्रसंस्करण परिसर में प्रतिनिधिमंडल ने गीले कचरे से बायो-सीएनजी उत्पादन संयंत्र, सूखे कचरे की छंटाई एवं पुनर्चक्रण के लिए संचालित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी एवं बायो-माइनिंग स्वच्छता निरीक्षण किया. ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर की कचरा प्रबंधन व्यवस्था सराहना की और सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी एवं अनुकरणीय है. दल ने नगर निगम मुख्यालय पर आयुक्त क्षितिज सिंघल एवं अपर आयुक्त के साथ बैठक की. बैठक में सफाई व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की.

महापौर से की भेंट

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से भेंट की. महापौर भार्गव ने कहा कि इंदौर की स्वच्छता सफलता का आधार नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, कचरा सेग्रीगेशन, सफाई मित्रों का समर्पण एवं नगर निगम की निगरानी व्यवस्था है.

मंत्री निवास का घेराव करने से रोका मस्टर श्रमिकों को

नव भारत न्यूज

इंदौर. लंबे समय से रीगल चौराहे पर मस्टर कर्मियों द्वारा विभिन्न मांगो को लेकर धरना आंदोलन किया जा रहा है. आज मस्टर कर्मियों जुलूस के साथ विभिन्न मांगों को लेकर नगरीय प्रशासन मंत्री का घेराव करने उनके घर जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने रेसकोर्स रोड़ चौराहे पर रोक लिया. बताया जा रहा है कि पुलिस ने आन्दोलनकारियों को बताया कि मंत्री इंदौर नहीं है. शहर के रीगल चौराहे पर पिछले कई दिनों से मस्टर कर्मियों द्वारा विभिन्न मांगो को लेकर धरना दिया जा रहा है. मस्टर कर्मियों द्वारा नगर निगम में नियमित करने, कुशल और स्थाई करने की मांग की जा रही है. उनका कहना है कि कई निगमकर्मी 35 तक मस्टर पर ही सेवानिवृत्त हो गए. 10 से 15 साल वालों को नियमित किया जाएं. साथ ही स्थाई कर्मचारियों के समान वेतन

और भत्ते की सुविधा भी दी जाएं. उपरोक्त मांगों को लेकर आज भारी संख्या में मस्टरकर्मी रीगल चौराहे से नंदा नगर की मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने घर का घेराव करने रवाना हुए थे. पुलिस ने शाम 4 बजे रेसकोर्स रोड़ पर लैंटर्न चौराहे पर मस्टर कर्मियों को रोक लिया. इस दौरान मस्टरकर्मी महिला और पुरुष के हाथों में नियमित करने, सहित विभिन्न मांगो की तख्तियां थी. सरकार और निगम के खिलाफ उदासीन रवैए को लेकर नारेबाजी भी की गई.

रोकने पर शुरू की नारेबाजी

पुलिस ने बेरीकेट्स लगाकर मस्टर कर्मियों के जुलूस को रोक दिया. इसके बाद मौके पर ही नारेबाजी शुरू हो गई. मस्टर कर्मियों को बताया गया कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर नहीं है. इसके बाद धरना आंदोलन करने वाली महिलाएं और पुरुष दोनों वापस नारेबाजी करते हुए रीगल चौराहे की तरफ धरना स्थल की ओर रवाना हो गए.

बाल भवन में कला व संगीत की प्रस्तुति

इंदौर. महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष में बाल भवन में वरदा कला संस्थान द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां दी गई। नन्हें बच्चों ने सर्व प्रथम सरस्वती वंदना, गुरु वंदना, तबला एकल वादन, सामूहिक गायन, कत्थक नृत्य, भरतनाट्यम, गुरु ज्ञान का महत्व, कविता पाठ की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में संयुक्त संचालक सुनीता यादव, बाल भवन सहायक संचालक संगीता विजयवर्गीय, व्ही पी एस राठौर, और श्रुति शर्मा मौजूद रही

सिटी बस संचालन की मांग को लेकर छात्र-छात्राएं पहुंचे कलेक्टर कार्यालय

नवभारत न्यूज़

इंदौर. देवगुराडिया से सनावद और कंपाल मार्ग पर आवागमन करने वाले छात्र-छात्राओं ने निजी बस संचालकों की मनमानी और बसों में हो रही ओवरलोडिंग की शिकायत को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्या रखी. छात्रों ने कलेक्टर शिवम वर्मा से मांग की कि इस रूट पर सिटी बस सेवा शुरू कराई जाए, जिससे उन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन मिल सके.

छात्रों का आरोप है कि निजी बस ऑपरेटरों द्वारा सिटी बसों के संचालन में बाधा डाली जा रही है. उनका कहना है कि निजी बसों में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाया जाता है. कई बार हालात ऐसे बन जाते हैं कि छात्रों को बसों की छत पर बैठकर सफर करना पड़ता है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है. छात्रों ने बताया कि यदि इस मार्ग पर सिटी बस सेवा शुरू हो जाती है तो बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को राहत मिलेगी और उन्हें सुरक्षित यात्रा का विकल्प मिल सकेगा. इसी मांग को लेकर उन्होंने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन और शिकायत प्रस्तुत की. मामले को लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि बसों में सुरक्षा मानकों की जांच के लिए आरटीओ लगातार कार्रवाई कर रहा है. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस रूट पर भी विशेष जांच अभियान चलाया जाए. जांच के दौरान बसों की फिटनेस, सुरक्षा इंतजाम, स्पीड गवर्नर सहित अन्य मानकों की जांच की जाएगी. कलेक्टर ने कहा कि बसों में ओवरलोडिंग पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रियों, छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग पर भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी.

ओवरलोडिंग पर कार्रवाई के निर्देश

सुर-साधकों के साथ, सुर-रसिकों का भी हुआ सम्मान

इंदौर. संगीत की दुनिया में कलाकारों के साथ-साथ समर्पित श्रोताओं के महत्व को रेखांकित करने वाली एक अनूठी पहल इंदौर के प्रीतमलाल दुआ सभागार में आयोजित संगीत संध्या के दौरान देखने को मिली. कार्यक्रम में गायन समूह के संचालक प्रफुल्ल जैन ने घोषणा की कि अब उनके मंच से उत्कृष्ट एवं नियमित रूप से संगीत कार्यक्रमों में उपस्थित रहने वाले संगीत-प्रेमी श्रोताओं का भी सम्मान किया जाएगा.

अपने संबोधन में प्रफुल्ल जैन ने कहा कि कराओके संगीत के बढ़ते प्रचलन से अनेक प्रतिभाशाली गायकों को मंच मिला है, लेकिन इसके साथ ही समर्पित श्रोताओं की संख्या में

लगातार कमी आई है. आज अधिकांश आयोजनों में कलाकार ही एक-दूसरे के श्रोता बनकर रह गए हैं, जो संगीत जगत के लिए चिंता का विषय है. प्रफुल्ल जैन ने कहा कि कलाकार जितना सम्मान का अधिकारी है, उतना ही सम्मान उस श्रोता का भी है, जिसकी तालियाँ कलाकार का आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। उन्होंने सभी समर्पित संगीत-रसिकों को नमन करते हुए उनके योगदान को अमूल्य बताया। इस पहल की उपस्थित कलाकारों एवं श्रोताओं ने सराहना की और इसे संगीत संस्कृति को सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया.

एक नजर में | इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में 15 भारतीय उद्यमियों ने शिरकत की

आईआईएम इंदौर ने यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो के साथ शुरू किया ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम

नवभारत न्यूज़

इंदौर. भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर आईआईएम इंदौर ने यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो के एडम स्मिथ बिजनेस स्कूल के सहयोग से ग्लोबल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम जीएलडीपी फॉर एंटरप्रेन्योर्स के पहले बैच की शुरुआत की है। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में 15 भारतीय उद्यमी शामिल हुए हैं.

कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय उद्यमियों को वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा के लिए रणनीतिक नेतृत्व, डिजिटल परिवर्तन, वित्तीय प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय विस्तार और आधुनिक

व्यावसायिक कौशल से सशक्त बनाना है.

कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय और एडम स्मिथ बिजनेस स्कूल की प्रमुख प्रो. वेंडी लोरेट्टो ने किया. प्रो. राय ने कहा कि यह पहल उद्यमियों को वैश्विक दृष्टिकोण, नेतृत्व क्षमता और अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. प्रो. वेंडी लोरेट्टो ने कहा कि आईआईएम इंदौर के साथ यह साझेदारी उद्यमियों को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करने में सहायक होगी. कार्यक्रम में भारत और ब्रिटेन के विशेषज्ञों द्वारा नेतृत्व, डिजिटल बिजनेस मॉडल, तकनीकी विकास और वैश्विक व्यापार रणनीतियों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा.

मेरे-तेरे के भाव का त्यागकर धर्मरूपी बनें

इंदौर. चातुर्मासिक चौदस पर एयरपोर्ट रोड़ स्थित केशरी वाटिका में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पौषध एवं सामायिक का लाभ लिय.

आचार्य नित्यसेनसूरीश्वर ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों में भी समभाव बनाए रखना, मेरे-तेरे के भाव में नहीं पड़ना और संसार की वृत्तियों से ऊपर उठकर सोचना ही धर्म है. अनावश्यक प्रवृत्तियाँ हमें गलत मार्ग पर ले जाती है. वरिष्ठ मुनिराज सिद्धरत्नविजय ने कहा कि शरीर की शोभा के लिए पहने जाने वाले गहनों की रक्षा करनी पड़ती है, इसलिए वे अनावश्यक हैं। लेकिन आत्मा के लिए धारण किए जाने वाले गहनों की रक्षा करने की आवश्यकता नहीं होती। वरिष्ठ मुनिराज विद्वरत्नविजयजी ने भी परमात्मा की वाणी को आत्मसात करने का संदेश देते हुए कहा कि चातुर्मास में हमें धर्मरूपी अवसर को समय रहते ग्रहण करना चाहिए. धर्मसभा के बाद जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरु भक्ति के अवसर का लाभ लेने की विनम्र अपील भी की है।